



Deepak mishra

05 Sep 1993

10:05 AM

Gonda

Model: web-freekundliweb

Order No: 121200403

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 05/09/1993
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 10:05:00 घंटे
इष्ट _____: 10:54:48 घटी
स्थान _____: Gonda
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 27:08:00 उत्तर
रेखांश _____: 81:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:02:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 10:02:52 घंटे
वेलान्तर _____: 00:01:15 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:00:03 घंटे
सूर्योदय _____: 05:43:04 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:18:09 घंटे
दिनमान _____: 12:35:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 18:51:37 सिंह
लग्न के अंश _____: 15:54:44 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अश्विनी - 2
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: वृद्धि
करण _____: बालव
गण _____: देव
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कन्या

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 2 मास 2 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
05/09/1993	08/11/1998	08/11/2018	07/11/2024	08/11/2034
08/11/1998	08/11/2018	07/11/2024	08/11/2034	07/11/2041
00/00/0000	शुक्र 09/03/2002	सूर्य 25/02/2019	चंद्र 08/09/2025	मंगल 06/04/2035
05/09/1993	सूर्य 09/03/2003	चंद्र 27/08/2019	मंगल 09/04/2026	राहु 23/04/2036
सूर्य 11/10/1993	चंद्र 07/11/2004	मंगल 02/01/2020	राहु 09/10/2027	गुरु 30/03/2037
चंद्र 12/05/1994	मंगल 07/01/2006	राहु 25/11/2020	गुरु 07/02/2029	शनि 09/05/2038
मंगल 08/10/1994	राहु 07/01/2009	गुरु 14/09/2021	शनि 08/09/2030	बुध 06/05/2039
राहु 27/10/1995	गुरु 08/09/2011	शनि 27/08/2022	बुध 07/02/2032	केतु 02/10/2039
गुरु 02/10/1996	शनि 08/11/2014	बुध 03/07/2023	केतु 07/09/2032	शुक्र 02/12/2040
शनि 11/11/1997	बुध 08/09/2017	केतु 08/11/2023	शुक्र 09/05/2034	सूर्य 08/04/2041
बुध 08/11/1998	केतु 08/11/2018	शुक्र 07/11/2024	सूर्य 08/11/2034	चंद्र 07/11/2041

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
07/11/2041	08/11/2059	08/11/2075	08/11/2094	09/11/2111
08/11/2059	08/11/2075	08/11/2094	09/11/2111	00/00/0000
राहु 21/07/2044	गुरु 26/12/2061	शनि 11/11/2078	बुध 05/04/2097	केतु 06/04/2112
गुरु 14/12/2046	शनि 08/07/2064	बुध 21/07/2081	केतु 03/04/2098	शुक्र 06/06/2113
शनि 20/10/2049	बुध 14/10/2066	केतु 30/08/2082	शुक्र 01/02/2101	सूर्य 06/09/2113
बुध 09/05/2052	केतु 20/09/2067	शुक्र 29/10/2085	सूर्य 09/12/2101	00/00/0000
केतु 27/05/2053	शुक्र 21/05/2070	सूर्य 11/10/2086	चंद्र 10/05/2103	00/00/0000
शुक्र 27/05/2056	सूर्य 09/03/2071	चंद्र 12/05/2088	मंगल 07/05/2104	00/00/0000
सूर्य 21/04/2057	चंद्र 08/07/2072	मंगल 20/06/2089	राहु 24/11/2106	00/00/0000
चंद्र 20/10/2058	मंगल 14/06/2073	राहु 26/04/2092	गुरु 01/03/2109	00/00/0000
मंगल 08/11/2059	राहु 08/11/2075	गुरु 08/11/2094	शनि 09/11/2111	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 2 मा 2 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली हैं। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृत्ति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादाती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी हैं। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजूक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

